Title: Need to implement 'Food for Work' and 'Employment Guarantee' schemes in the State of Bihar to overcome serious drought situation.

श्री राजेश कुमार मांझी (गया) : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं एक बहुत ही अहम मसला उठाने की अनुमति चाहता हूं। बिहार में भूख से मरने वालों की संख्या 32 हो गई है जिसमें नालंदा और जहानाबाद में दस-दस लोग, नवादा जिले में पांच लोग, भोजपुर में तीन लोग और रोहताश में एक की मौत हुई है। मेरे संसदीय क्षेत्र गया में तीन मौतें हुई हैं। मरने वालों में दलित, अत्यंत पिछड़ी जाति के बच्चे और औरतें भी हैं। मरने वालों में युवक और अधिक उम्र के लोग भी हैं। मरने वालों की संख्या कितनी है उनका ठीक पता नहीं चल पाता है। जब कभी भूख से मौत होती है, मरने वालों की बात होती है तो प्रशासन उनके बीमारी से मरने या कुपोाण से मरने की बात कहकर विवाद पैदा करता है और वास्तविकता दबा दी जाती है। मैं इस सदन के माध्यम से केन्द्र सरकार से यह मांग करता हूं कि बिहार को अकालग्रस्त घोति किया जाए और राज्य के सभी जिलों को पिछड़ा घोति करते हुए काम के बदले अनाज योजना, रोजगार गारंटी योजना तुरंत उन जिलों में लागू किया जाए।